खबर संक्षेप

युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आज

मण्डला। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार 18 फरवरी 2025 को प्रातः 11 बजे से नगरपालिका टाऊनहॉल मंडला में शासकीय आईटीआई मंडला, जिला रोजगार कार्यालय, जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र मंडला द्वारा संयुक्त रूप से रोजगार/स्वरोजगार, युवा-संगम मेला आयोजित किया जा रहा है। रोजगार हेतु देश की प्रतिष्ठित कंपनी होंडा मोटर बेंगलौर द्वारा आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को होंडा कंपनी तथा प्रदेश एवं जिले की प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा रोजगार के अवसर दिए जाएँगे। युवा संगम मेले में इच्छुक व्यक्ति अपने मूल दस्तावेज एवं शैक्षणिक बायोडाटा सहित उपस्थित होवें।

प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना के लिए ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ

मण्डला। केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अन्तर्गत केन्द्रीय स्तर की उप-योजना प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना का अनुमोदन किया है। योजना का क्रियान्वयन 4 वर्षों तक किया जाना है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा विकसित नेशनल फिशरीज डिजीटल प्लेटफार्म पर इच्छुक मछुआरे, मत्स्य किसान, मत्स्य विक्रेता एवं मत्स्य उद्यमी अपना पंजीयन करवाकर एनएफडीपी प्लेटफार्म पर ही ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। एनएफडीपी प्लेटफार्म पर प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना अंतर्गत ऋण सुविधा, मत्स्य सहकारी समितियों का सशक्तिकरण, जलीय कृषि बीमा, प्रदर्शन अनुदान ट्रैसेबिलीटी, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण इत्यादि गतिविधियां सम्मिलित हैं।

जिनकी वार्षिक आय 02 लाख रूपये से कम उन्हें मिलेगी निःशुल्क विधिक सहायता

विधिक अधिकारों के प्रति हों जागरूक

*** उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का ग्रामीण से संवाद।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन मण्डला के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 16.02.2025 को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत साहवं की गरिमामयी उपस्थिति में सी०एम० राईज स्कूल कालपी के प्रांगण में वृहत विधिक साक्षरता शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य न्यायाधिपति का म.प्र. में पदभार ग्राहण करने के पश्चात यह प्रथम अवसर था कि उन्होंने वृहत विधिक साक्षरता शिविर में अपनी उपस्थिति व बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया।

मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत द्वारा शिविर कार्यकम के दौरान अपना वक्तव्य प्रारंभ करने के पूर्व सर्वप्रथम शिविर में उपस्थित जनसामान्य के बीच पहुँचकर उनसे निःशुल्क विधिक सहायता योजना तथा कानूनी रूप से विवाह की उम्र एवं अन्य योजनाओं के संबंध में उपस्थित ग्रामीण महिलाओं एवं पुरुषों से जानकारी ली गई, तत्पश्चात मंच में पुनः पधारकर उपस्थित जनसामान्य को संबोधित करते हुए बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को चाहे वह महिला हो या बच्चा, किसी भी धर्म जाति अथवा सम्प्रदाय का है या वह अनुसूचित, जनजाति का सदस्य है, जेल बंदी है तथा वह सामान्य वर्ग का है जिसकी वार्षिक आय 02 लाख रूपये से कम है सभी को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने का पूर्ण अधिकार है। माननीय महोदय द्वारा विशेष रूप से यह व्यक्त किया गया कि म.प्र. में स्थित समस्त जिलों के विधिक सेवा प्राधिकरणों व जिला प्रशासन को विशेष रूप से ऐसे ग्रामीण क्षेत्रों में विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए जहाँ वास्तविक रूप से लोगों को अपने विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है।

माननीय महोदय द्वारा शिविर में विभिन्न विभागों के द्वारा लगाये गये विभागीय योजनाओं का प्रदर्शन कर रहे स्टॉलों का निरीक्षण किया गया तथा शिविर मंच से उपस्थित हितग्राहियों को ट्रायसाईकिल, श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर, बैसाखी, लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रमाण पत्र, वृद्धा पेंशन योजना के प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड व टी.बी. के मरीजों को पोषण आहार पैकेट प्रदान किये गये साथ ही मुख्य न्यायाधिपति द्वारा कार्यकम में जनजातीय नृत्यकला समूहों व विद्यालयीन छात्र-छात्राओं द्वारा शैला नृत्य का विशेष प्रदर्शन किये जाने पर उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

साथ ही वृहत विधिक जागरूकता कार्यक्रम में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती पद्ममिनी सिंह द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया एवं विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं के संबंध में प्रवीण कुमार सिन्हा जिला न्यायाधीश निवास जिला मण्डला द्वारा विस्त्रत जानकारी प्रदान की गई एवं कार्यक्रम के अंत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कमल जोशी द्वारा मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्रीमान सुरेश कुमार कैत साहब को वृहत विधिक साक्षरता शिविर में अपनी गरिमामयी उपस्थिति एवं जनसामान्य को अपना बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया, साथ ही प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा जिला कलेक्टर व प्रशासन के अन्य अधिकारीगणों को उनका विशेष सहयोग प्रदान करने के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश कमल जोशी, विशेष न्यायाधीश आर.के. रावतकर, जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कुमुट, प्रथम जिला न्यायाधीश सुबोध कुमार विश्वकर्मा, चतुर्थ जिला न्यायाधीश विवेकानंद त्रिवेदी, जिला न्यायाधीश निवास प्रवीण कुमार सिन्हा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती ज्योति डोंगरे शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी नरेश सिंह गौड़, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी निवास श्रीमती पद्ममिनी सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मोहम्मद सैफी, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री शालिनी अग्रवाल, तथा जिला प्रशासन से अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती दीपिका एस ठाकुर एव अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

प्रकरणों का निराकरण करें एवं जिले की रैंकिंग को बनाएं बेहतर

*** समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने सीएम हेल्पलाईन की विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि 3 दिवस में अधिक से अधिक प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित करें। ऐसे विभाग जिनकी सीएम हेल्पलाईन पेंडेंसी अधिक संख्या में है वे सभी प्राथमिकता के साथ प्रकरणों का निराकरण करें एवं जिले की रैंकिंग को बेहतर बनाएं। उन्होंने कहा कि 50 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों पर फोकस करें। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री जेपी यादव एवं श्री हुनेन्द्र घोरमारे, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ सहित समस्त एसडीएम तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने 100 दिवसीय निःक्षय शिविर की समीक्षा करते हुए कहा कि शतप्रतिशत रोगियों को चिन्हित करते हुए स्क्रीनिंग जांच के बाद उचित उपचार करें। मिशन नेत्र ज्योति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देशित किया कि एक सप्ताह में सभी बच्चों की शतप्रतिशत बच्चों की स्क्रीनिंग कराना सुनिश्चित करें। उर्वरक, भंडारण एवं वितरण की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि क्षमता के अनुसार उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करें। गेहूं उपार्जन की तैयारियां समयपूर्व पूर्ण करें। बैठक में कलेक्टर ने जल जीवन मिशन की विकासखंडवार प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि भ्रमण कर जल जीवन मिशन के कार्यों का सत्यापन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। गर्मी के मौसम में पेयजल संकट को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां समय के पूर्व सुनिश्चित करें। उच्च न्यायालय के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक प्रकरण पर निर्धारित समयावधि में जवाब प्रस्तुत करें। बैठक में कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड की प्रगति की समीक्षा, राजस्व महा अभियान, अंतर्विभागीय बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

प्रज्ञा नीरज चंदानी को मिला सम्मान

मण्डला। जबलपुर में सेलिब्रेशन ऑफ़ लव थीम पर महिलाओं के लिए विशेष आयोजन किया गया जिसमें ट्रिपल एम इंटरप्राइजेज की फाउंडर एवं डायरेक्टर मनीषा गुप्ता के द्वारा ₹मिसेज क्वीन ऑफ़ आर्टर₹ के टाइटल पर आयोजन में समाज में एकरूपता और समरसता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों ने विभिन्न चरणों में अपना बेहतर प्रदर्शन किया। आयोजन में हाल को थीम के अनुसार डेकोरेट किया गया इसमें मिसेज क्वीन एवं मिस क्वीन ने रनवे पर रैंप वॉक करते हुए अपना मनमोहक परफॉर्मेंस दिया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की प्रतिभा को उजागर करना और उनको प्लेटफार्म देना रहा, इस अवसर पर सुभाष वार्ड मंडला निवासी प्रज्ञा नीरज चंदानी के बेहतर परफॉर्मेंस के कारण ₹मिसेज क्वीन ऑफ़ हार्टर₹ के प्रथम रनरअप के खिताब पर क्राउन पहनाकर पुरस्कृत किया गया और उनको सम्मानित किया गया।आयोजन में निर्णायक भूमिका में प्रियंका कलचरी, प्राची वाधवा, शिखा जैन, रश्मि खत्री, रिदम सिंघई एवं टीम का विशेष सहयोग रहा, इस अवसर पर अलग-अलग क्षेत्र से बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं।

नवभारत साक्षरता परीक्षा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/निवास

विकासखंड निवास में सभी सामाजिक चेतना केदो एवं अक्षर कोना में प्रेरक साथियों को सहयोग से आज नवभारत साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया विकासखंड की पांचो संकुल केदो में लगभग 100 परीक्षा केंद्र बनाए गए राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार नवभारत साक्षरता परीक्षा का आयोजन प्रातः 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक किया गया निरक्षर साथियों मैं भी मूल्यांकन परीक्षा के प्रति काफी उत्साह देखा गया आज जिला परियोजना कार्यालय से सहायक परियोजना समन्वयक के के उपाध्याय, अमित मिश्रा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार दुबे, सभी जन शिक्षकों और विकासखंड से साक्षरता सह समन्वय सुश्री सुधा भारती अनुरागी के द्वारा विभिन्न सामाजिक चेतना केदो का निरीक्षण किया गया सामाजिक चेतना केंद्र में आयोजित परीक्षा में संस्था प्रधानों द्वारा स्वच्छता पेयजल आदि की व्यवस्था की गई परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न हो इसके लिए विकास स्तर पर जन शिक्षकों का दल बनाया गया जन शिक्षकों के द्वारा सतत निगरानी कर राज्य शिक्षा केंद्र एवं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार परीक्षा का आयोजन कराया गया परीक्षा के आयोजन में जिला कलेक्टर श्री सोमेस मिश्रा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रेयांश कुमट जिला परियोजना समन्वयक अरविंद विश्वकर्मा जिला साक्षरता प्रभारी बी एल यादव सहायक परियोजना एवं साक्षरता के नोडल श्री के के उपाध्याय सहायक परियोजना आर एन पांडे, डॉक्टर शेशमणि गौतम, संतोष साहू के साथ-साथ सभी अधिकारी कर्मचारियों का सहयोग सराहनीय रहा निवास विकासखंड में जन शिक्षक सेवाराम उटिये, कोमल वरकड़े, मुरलीधर परस्ते, टेक लाल सिंगरौरे, सुरेश मढेले, तारेंद्र मोहन उपाध्याय ,दर्शन भारतीया, संतोष बर्मन ,राघवेंद्र तिवारी के साथ-साथ,कम्प्यूटर ओपरेटर दुर्गेश नंदनी कछवाहा, विकासखंड समन्वयक एवं सभी संस्था प्रधान व शिक्षकों का सहयोग सराहनीय रहा।

मध्य प्रदेश कांग्रेस के युवा प्रदेश अध्यक्ष ने की नारायणगंज के युवाओं से मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/नारायणगंज

मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने युवाओं से बात करते हुए संबोधित करते हुए कहा कि मंडला जिले में शराबबंदी के दावे और खोखले और घोषणाएं सब सब झूठी साबित हो रहे हैं ठेके पर दारू भले ही नहीं बिक रही है पर ठेकों की जगह हर गली नुक्कड़ चौक चौराहों पर शराब बेचने का खुलेआम काम चल रहा है राजनीति के संरक्षण प्राप्त लोग खुलेआम शराब बेचने का काम कर रहे हैं मंडला जिले पर प्रशासन और शासन नेता और राजनीति के पैर की कठपुतली बनके रह चुके हैं आज पूरा मंडला जिला शराब की लत को झेल रहा है आज हमारे जिले का नौजवान व्यक्ति नशे की लत से जूझ रहा है उसका शारीरिक और मानसिक पतन हो रहा है समाज अंधकार की ओर जा रहा है पर सरकार को सत्ता को इस चीजों से कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि क्योंकि राजनीति के ठेकेदार ही शराब बेचने का काम कर रहे हैं इसीलिए प्रशासन की खुली छूट मिली चुकी है राजनीति के बड़े ठेकेदार जिले में शराबबंदी करवा रहे हैं यह काम शासन प्रशासन की मिली भगत से नाक के नीचे हो रहा है आज समाज को नहीं बजाया गया तो हमारा नौजवान युवा नशे की लत से मानसिक रूप से अपाहिज हो जाएगा आज हमारे क्षेत्र का युवा युग निर्माता है पर युग निर्माता के ऊपर ही नशे की लत हावी हो रही है जिससे हमारे आने वाली पीढ़ी पिए और पड़े रहो की नीति समाज को अंधकार क्यों ले जाएगी जिससे हमारे जिले का युवा और गरीब हो जाएगा शराब बंदी का सिर्फ इस प्रदेश पर नाटक हो रहा है पर सरकार की कटनी और करनी पर बहुत फर्क है और हम इस प्रदेश के विपक्ष होने के नाते हम अपनी जिम्मेदारी से बिल्कुल पीछे नहीं हटेंगे। सरकार की कथनी और करनी को इस प्रदेश की जनता को समझना है।

अल्प प्रवास के दौरान कार्यक्रम में उपस्थित नारायणगंज के समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित हुएजिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष मांगन लाल सोनी रघुनंदन विश्वकर्मा ,ज़िलापंचायत सदस्य भूपेन्द्र वरक़ड़े, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजुल ज्योतिषी युवा कांग्रेस अध्यक्ष रितेश सोनी(टिंकल),नगर अध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, विपिन छत्रपाल सोनी, संदीप सोनी, गुन्ना सिंगरौली, ग्राम पंचायत पडरिया सरपंच छुट्टियल तेकाम, हिरदेश साहू, बलराम साहू, सिद्धार्थ तिवारी, मुबारक ख़ान प्रिंस अग्रवाल, राजाराम कूड़ापे, राजू लाल सिंगरौरे, सुनील मालगाम सौरभ साहू, गंगाराम यादव ब्लॉक कांग्रेस कमेटी यूथ कांग्रेस कमेटी के और भी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदर्शन | **युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में हुआ प्रदर्शन।**

युवक कांग्रेस ने किया मण्डला कलेक्ट्रेट का घेराव

*** अवैध शराब विक्रय का उठाया मामला।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कल युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र सिंह के नेतृत्व जिले में के युवक कांग्रेसियों अवैध शराब एवं बेरोजगारी के विरूद्ध हल्ला बोला। चौपाटी के सामने आयोजित सभा के बाद जुलूस की शक्ल में कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्ट्रेट का घेराव किया। पुलिस प्रशासन द्वारा बेरिकेट्स लगाकर इन प्रदर्शनकारियों को रोका गया। युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने महामहिम राज्यपाल के नाम कलेक्टर मण्डला को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें यह मांग की गई कि मण्डला जिले के ग्रामीण अंचल से बड़ी संख्या में ग्रामीण बड़े महानगरों की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। लगातार हो रहे पलायन को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए।

केन्द्र सरकार की रोजगार उन्मूलक योजना मनरेगा को विस्तारीकरण कर हर गरीब तबके को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने कार्ययोजना बनाई जाये।

मण्डला जिले के सभी ग्रामीण इलाकों में गर्मी की शुरुआत के पहले पेय जल आपूर्ति एवं नल जल योजना से जोडकर पानी की किल्लत एवं समस्या से 100 प्रतिशत मुक्ति दिलाई जाये। सरकार की पानी से जुडी सभी योजनाओं का पूर्ण रूप से क्रियान्वयन किया जाये।

मण्डला नगर पालिका द्वारा बढ़ाये गए जलकर की राशि 150/- रूपये प्रतिमाह को घटाकर पुनः 100/- रूपये प्रतिमाह किया जाये या जन आपूर्ति का समय निर्धारित कर आपूर्ति को बढाया जाये।

मण्डला जिले के बिछिया विकासखण्ड के मोतीनाला चेकपोस्ट पर परिवहन विभाग के द्वारा ट्रकों से की जा रही अवैध वसूली को तत्काल बंद किया जाये।

मण्डला शहर के चारों ओर स्थित मां नर्मदा जी के जीर्णोध्दार घाटों को तत्काल सुधार कर जनता एवं माँ नर्मदा भक्तों के लिए उपयुक्त बनाए जाने का मास्टर प्लान तैयार किया जाये।

100 लीटर कच्ची एवं अंग्रेजी शराब, 400 लीटर लहान जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

थाना महाराजपुर पुलिस द्वारा शराब के विरूद्ध अभियान चलाकर विगत 07 दिनों में शराब निर्माण व विक्रय की सूचनाओं पर ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हुए दिनांक 12.02.2025 से 17.02.2025 तक लगातार थाना क्षेत्र के अलग अलग स्थानों पर शराब के निर्माण, विक्रय आदि के संबंध में प्राप्त जानकारी पर थाना एवं चौकी द्वारा अवैध शराब के विरुध्द दबिश देकर धरपकड़ कार्यवाही कर कुल 75 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती करीबन 11250/- रुपये व 400 किलो महुआ लाहन कीमती करीबन 24000/- रुपये, कुल 25 लीटर 630 एमएल अंग्रेजी शराब कीमती करीबन 11745/- एवं देशी प्लेन मदिरा 16 पाव कीमती 960/- रुपये की जप्त कर 10 आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए पृथक पृथक 10 अपराध पंजीबध्द किया गया हैं। उल्लेखनीय है कि मंडला पुलिस द्वारा जिला अंतर्गत अवैध शराब, गांजा, स्मैक इत्यादि अवैध मादक के कारोबार पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने हेतु "आपरेशन क्लीन स्वीप" चलाया जा रहा है। अभियान के तहत अवैध शराब, गांजा, स्मैक इत्यादि अवैध मादक की तस्करी/व्यापार में लिप्त व्यक्तियों की सूचना देने हेतु नारकोटिक्स हेल्पलाईन मोबाईल नम्बर 7587644166 भी जारी किया गया। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक ममता परस्ते थाना प्रभारी महाराजपुर, उनि, भाविका मर्सकोले, योगेन्द्र चौहान, भीमराव मेश्राम, सउनि. अनिल बिसेल, रमेश पाल, शिवशंकर राजपूत, प्र.आर. झनकार, रोशन, केशव मरावी आर. प्रियांश, डेलेन्द्र, एवं स्टाफ की भूमिका रही।

खबर संक्षेप

यातायात नियमों की उड़ रहीं धज्जियाँ

चीचली। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं, जहाँ भी नजर दौड़ाओ उधर ही यातायात नियम टूटते हुये नजर आ रहे हैं, कभी छोटे-छोटे बच्चे दोपहिया वाहन चलाते नजर आ रहे हैं तो कभी युवा वर्ग भी दो पहिया वाहनों पर तीन से लेकर चार सवारी बैठाकर फर्राटे मारते सामने से निकलते हुये देखे जा सकते हैं, इतना ही नहीं कभी काल पुलिस द्वारा चैकिंग की औपचारिकता निभाई जाती है तो मात्र कागजों की खानापूर्ति कर सौ पचास में समझौता कर वाहनों को छोड़ दिया जाता है, यदि पुलिस अपनी जागरूकता दिखावे तो लगातार हो रही दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है मगर जहाँ तहाँ नाबालिगों द्वारा दौड़ाये जा रहे वाहनों को देखकर तो यही अनुमान लगाया जा सकता है कि पुलिस को नगर की यातायात व्यवस्था से कुछ लेना देना नहीं है। वहीं दूसरी ओर नगर में जीपों व मैजिक गाडियों को ट्रैक्टर ट्रालियों में किस तरह सामान लाद कर व सवारी भरे दौड़ाये जा रहे है यह क्षेत्र की सड़कों पर आसानी से देखा जा सकता है जिसका जीता जागता उदाहरण क्षेत्रों के मार्ग पर देखने को मिलता है, जो प्रतिदिन पुलिस की ड्यूटी व्यवस्था के बाद भी पुलिस के नुमाइंदों के सामने से गुजर रहीं हैं और वे देखते रह जाते हैं,जनापेक्षा है कि शासन प्रशासन इस ओर ध्यान दे।

धडल्ले से काटे जा रहे हरभरे वृक्ष

साईंखेड़ा। जहां एक ओर शासन प्रशासन द्वारा प्रतिवर्ष हरियाली महोत्सव मनाते हुए वृक्षारोपण करते हुए पेड़ लगाये जाने के नाम पर लाखों रूपया खर्च करते हुए अधिकारियों व नेताओं द्वारा फोटो निकालवाते हुए अखबारों में प्रकाशित करते हुए वाही वाही लूटी जाती है? मगर वही दूसरी ओर इस समय सड़को के किनारे लगे हुए हरे भरे वृक्षों पर जिस प्रकार से धडल्ले से कुल्हाडी चल रही है उस ओर किसी के द्वारा ध्यान नही दिये जाने से संपूर्ण हरियाली उत्सव पर सबाल खड़े होते हुए जान पड़ रहे है? बताया जाता है कि इस समय क्षेत्र में लगे हुए हरे भरे वृक्षों की कटाई का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा हैं, जिसमें बताया जाता है कि इस समय सक्रिय लकड़ी चोरो से जुड़े हुए लोगों द्वारा झिकोली सांईखेड़ा से लेकर पिपरिया मार्ग के तिराहे ग्राम पिठहरा तक सड़क किनारे लगे हुए आम के पेड़ों को पहले किसी दबा का उपयोग करते हुए उन्हें सुखाया जाता है, इसके बाद उन्हें धडल्ले के साथ दिन दहाड़े काटते हुए गायब कर दिया जाता है, जबकि गौर किया जावे तो इस मार्ग से जहां प्रतिदिन पुलिस अधिकारियों के साथ साथ अन्य विभाग के अधिकारियों का आना जाना लगा रहता है। मगर इसके बाद भी इस ओर किसी के द्वारा ध्यान नही दिया जाना चिंता का विषय बनता जा रहा है? इतना ही नही वन विभाग की भूमिका पर गौर किया जावे तो वन विभाग का अमला इस क्षेत्र में कभी आने की जरूरत भी नही समझता है, जिसके चलते लकड़ी चोरों के हौसले पूर्णरूप से बुलंद नजर आ रहे है? लोगों का कहना है कि वर्षो पूर्व सड़क के किनारे लगाये ये आम के पेड़ गर्मियों में छाया देने के साथ फल भी देते है, परन्तु कतिपय स्वार्थी लोगों द्वारा इन हरे भरे वृक्षों की कटाई धड़ल्ले से की जा रही है जिसके चलते जहां पर्यावरण बिगड रहा है।

नगर के मुख्य मार्गों से लेकर कॉलोनी की कुलियों में अतिक्रमण के चलते आम लोगों को होना पड़ रहा है परेशान

गाडरवारा। वर्तमान में शहर के रेलवे स्टेशन क्षेत्र पलोटन गंज, राठी तिराहे, शासकीय शालाओं के इर्द गिर्द शुक्रवार बाजार, मंदिरो, मस्जिदो के सामने पसरे अतिक्रमण से जहां शहर को सौन्दर्यीकरण खतरे में पड़ गया है। वही शहर में चौतरफा हुए अतिक्रमण से राहगीरो, वाहन चालकों का सड़को से गुजरना दूभर होता जा रहा है। गौरतलब है कि नगर में इस समय नजूल, नपा लोक निर्माण विभाग द्वारा अपनी बेश कीमती भूमि की परवाह न करने से अतिक्रमणकारियो के हौसले बुलन्द हो गए है, जिसके चलते सड़कों के किनारो, चौराहो के नजदीक शासकीय भूमि का दुरूपयोग करते हुए अतिक्रमणकारी ठेले रख रहे है।

दो माह पहले लिलवानी कोठिया मार्ग सुधार कार्य के नाम पर निभाई गई औपचारिकता की सच्चाई होने लगी उजागर, पान में चमन बहार की तर्ज पर उपयोग किये गये डामरीकरण के चलते आगे पाठ पीछे सपाट की कहानी को कर दिया चरितार्थ...

गाडरवारा

जहां एक ओर केन्द्र में बैठी हुई सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों को शहरों से जोड़ने के लिए गांव गांव पक्की सड़कों का निर्माण हर साल करोड़ो रूपया खर्च किया जा रहा है। मगर उन सड़कों का निर्माण कार्य करने वाली कंपनियों द्वारा संबंधित विभाग के अधिकारियों की मिली भगत के चलते जिस प्रकार से सड़कों के निर्माण कार्यो को अंजाम दिया जाता है उसके चलते यदि कोई सड़क पूरे एक वर्ष भी चल जावे तो बड़ी बात साबित होने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय समीपस्थ जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत लिलवानी से कोठिया के बीच बनी हुई प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क में देखने मिल रही है। प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत 4.7 किलो मीटर सड़क को अभी बने हुए मात्र कुछ ही साल निकले हुये है। जिस तरह सड़क टूटते हुये दिखाई देने के कारण सड़क किनारे बडे बडे खड़े दुर्घटनाओं को आमंत्रण देने में कोई कसर नही छोड़ रहे थें। इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा बीते हुये माह यानि की 12 नबंवर 2024 के अंक में प्रमुखता के साथ उजागर किया था। हरिभूमि द्वारा उठाई गई आवाज के चलते सड़क का सुधार कार्य तो हुआ है। मगर मौके पर सुधार कार्य के दौरान संबंधित कंपनी द्वारा जिस तरह सड़क पर डामरीकरण किया गया है उसमें पान में चमन बाहर के तरह डामर का उपयोग किया जाने के चलते मात्र दो माह के अंदर ही सड़क पूर्व की भांति तहां तहां से टूटते हुये दिखाई देना शुरू हो गई है। सही मायने में देखा जावे तो संबंधित विभाग द्वारा सड़क सुधार के नाम पर मात्र औपचारिकता ही निभाना ही प्रतीत होने से नही चूक रहा है..? इस तरह दो माह पहले हुये सड़क सुधार कार्य के बाद जहां तहां गड्ढे से लेकर डामर के ऊपर दरारे नजर आने से नही चूक पा रही है। वही वाहनों के निकलते ही सड़क का डामर व बजरी उखडते हुये सड़क पर फैलते हुये सुधार कार्य में अपनाई गई गुणवत्ता की सच्चाई को खुद ही उजागर करने से नही चूक रहा है..? इस सड़क निर्माण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस सड़क के निर्माण होने के कुछ दिनों उपरांत ही जिस तरह जहां तहां दरारे निकलने की शुरूआत होने से सड़क के निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता अपने शुरू हो चुकी थी। ज्यों ज्यो समय बीतते चला गया और यह सड़क बदहाल होने के चलते सड़क की स्थिति इस तरह बन चुकी थी कि लोगों को वाहन चलाते हुये निकलना तो दूर की बात पैदल तक निकलने में परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा था। जब वाहन चालक सड़क से अपने वाहनों को निकलते थें तो वह अपने आपकों मौत कुंआ में वाहन चलाने के समान महसूस करने से नही चूक रहे थें। इस प्रकार से कुछ साल पहले बनी ग्राम लिलवानी से कोठिया की बीच की सड़क केन्द्र सरकार की योजना के तहत लगभग 168.69 लाख रूपया की लागत से प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनाये जाने के लिये स्वीकृति प्रदान हुई थी जिससे यहां के लोगों ने सपना देखा था कि उनका गांव पक्की सड़क से जुड़ जाने के बाद उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त होने लगेगे और इस सड़क के निर्माण के लिए जे एम डी कंस्ट्रक्शन कंपनी शिवपुरी करेरा की कंपनी द्वारा ठेका लिया गया था तथा इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू करने की तिथि 22 दिसम्बर 2009 से 21 दिसम्बर 2010 तक पूर्ण करना था। मगर मौके पर लगे हुये वोर्ड को कई साल गुजर जाने के बाद इस सड़क निर्माण हो पाया था जिसके चलते सड़क निर्माण व मौके पर लगे हुये वोर्ड में कई साला का अतर बताया जा रहा है? वहां सड़क का गुणवत्ता के साथ निर्मित करते हुए इस सड़क की ठेकेदार द्वारा 5 वर्ष तक की गारंटी का भी एग्रीमेन्ट निर्धारित किया गया था, जिसके चलते सड़क निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा सड़क निर्माण कार्य की शुरूआत जिस प्रकार से की गई तो उसकी गुणवत्ता पर सबाल खड़े होने के कारण इस सड़क का निर्माण कार्य कापी समय तक बंद रहा जिसके चलते कंपनी द्वारा सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करने की तिथि की बात तो दूर सड़क निर्माण का गारंटी अवधी भी बगैर निमार्ण हुए ही निकल गया था। इस प्रकार से सड़क निर्माण कार्य शुरू होने के कई साालों तक सड़क का काम बंद होने के बाद शायद किसी दूसरी कंपनी द्वारा इस सड़क का निर्माण किया गया था। इस तरह आपा धापी के बीच चंद दिनों के अंदर जिस प्रकार से सड़क का निर्माण कार्य किया गया था उसे देखते हुए यह बात स्पष्ट होते हुए जान पड़ रही थी कि कंपनी द्वारा सड़क निर्माण में गुणवत्ता को दर किनार किया जा रहा है और इस सड़क का भविष्य ज्यादा दिनों का नही हो सकता है? क्योंकि इस सड़क के निर्माण के दौरान कंपनी द्वारा बेश तथा अन्य कार्यो में स्थानीय नदी का बजरा के रूप में चुन कंकडो का उपयोग किया गया है। वह इस बात को स्पष्ट रूप से संकेत दे रहा था कि सड़क बनने के कुछ दिन बाद ही टूटना शुरू हो जावेगी। क्योंकि खेतों में पाये जाने वाले चुन कंकड़ो की विशेषता घुलनशील के रूप में मानी जाती है। जब उन पर बजन पड़ता है ता वह घुल जात है और इस प्रकार से गुणवत्ता हीन सामग्री उपयोग होने की सच्चाई को लेकर स्थानीय स्तर पर मीडिया द्वारा प्रमुखता उजागर भी किया गया था। मगर उस समय न तो किसी क्षेत्र के अच्छे नेता द्वारा ध्यान दिया गया था और न ही संबंधित विभाग के अधिकारियों के द्वारा जिसके चलते चंद दिनों के अंदर इस सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण होने के साथ साथ किसी भी प्रकार से निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी द्वारा सड़क पर डामरीकरण करते हुए उसे काला तो कर दिया गया था। मगर इस सड़क की सच्चाई इस प्रकार से देखने मिल रही है कि सड़क का निर्माण हुए अभी कुछ साल ही बीते होगे और इस सड़क में जहां तहां निकल रही बड़ी बड़े ददारे तथा टूट रही सड़क अपने आप ही अपनी गुणवत्ता की कहानी बताते हुए जान पड़ रही है? अनेक जगहों पर तो गड्ढो की स्थिति इस तरह देखने मिल रही है कि वह मौत का कुंआ साबित होने से नही चूक रहे है। इस तरह वाहन चालक अपनी जान जोखिम में डालते हुये निकलने के लिये मजबूर देखे जा रहे है। इस तरह बदहाल स्थिति में पहुंच चुकी ग्राम लिलवानी कोठिया मार्ग के निर्माण को लेकर क्षेत्र के लोगों द्वारा शासन प्रशासन से पुनः गुहार लगाई जा रही थी। इस तरह इस सड़क का सुधार कार्य तो हो चुका है। मगर वह मात्र औपचारिकता पूर्ण साबित होने से नही चूक रहा है। क्योंकि दो माह पहले किये गये सुधार कार्य के बाद फिर गड्ढे नजर आने से नही चूक पा रहे है।

भूख प्यास से बिलखने के लिये सड़कों पर गाय को छोड़ने वाले ही गौ हत्यारे हैं - नित्यानंद गिरी महाराज

सांईखेड़ा।

समीपस्थ सोनादहार ग्राम पीपरपानी माँ नर्मदाजी के पावन तट पर सात दिवसीय स्वामी बिधानंद महाराज और आयोजक भैयाराम राजपूत के सानिध्य मैं आयोजित भागवत कथा के पंचम दिवस ऋषिकेश से पधारे संत नित्यानंद महाराज ने कृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुनाकर लोगों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। वही जन्मोत्सव के समय भागवान वासुदेव जी के पालने मैं बालरूप की मनोहारी झांकी प्रस्तुत की गई। इस मौके पर उन्होंने सड़कों पर घूमती बे सहारा गायों की व्यथा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गाय को घर से बाहर निकालने वाले लोग गौ माता के हत्यारे है। ऐसे लोगों को कभी सुख शांति नहीं मिल सकती, चाहे कुम्भ नहाओ या नर्मदा नहाओ सारे तीर्थ भी पवित्र नहीं कर सकते है..? जो गाय सड़क पर ऐक्सिडेंट में मार दी जाती हैं उसकी हत्या भी गाय छोड़ने वाले को लगती है। बडे ही हैरत की बात है कि लोग अपने घरों में कुत्ता पालते हुये उसके लिये प्रतिदिन अनेक प्रकार के बिस्कुट से लेकर अन्य प्रकार की महंगे से महंगी सामग्री खिलाते हुये अपने विस्तर में जगह देने से नही चूकते है। मगर गाय जिसमें सभी प्रकार के देवताओं का निवास होता है और गाय माता हमको प्रतिदिन दूध देती है जिसके हमारे बच्चें बुद्विमान बनते है। वही दूसरी ओर गाय के गोबर से लेकर गौमूत्र में अनेक प्रकार की बीमारियों से लड़ने की क्षमता होती है। मगर इसके बाद भी गाय को घर में पालने से परहेज किया जाता है। वही जो लोग गायब पालते है वह सिर्फ दूध प्राप्त करने के लिये गाय माता के लिये एक गठरी घास तक खरीदना उचित नही समझते है। बस दूध निकालने के बाद घर के बाहर छोड़ दिया जाता है जो अपने बछड़े को लेकर सड़को पर भूखी प्यासी भटकती रहती है। यह तक पता नही रहता है कि जिस गाय को हमने सुबह दूध निकालने के बाद छोड़ा है वह वापिस आ पायेगी कि नही या फिर सड़क पर किसी दुर्घटना का शिकार हो जावेगी। स्वामी महाराज ने कथा में आगे कहा की आपने गाय की जमीन पर अतिक्रमण कर मकान बना लिए या खेती कर ली अब गौ माता कहाँ जाएगी? गोचर जमीन दवाने वाले सड़क की जमीन पर अतिक्रमण करने वाले लोगों को भी गौ हत्या का पाप लगेगा। क्योंकि आपने तीन तीन पाप किये है एक तो गाय को घर से निकला, दूसरा गाय के घास को जलाया और तीसरा गौ माता की जगह (गौचर) पर कब्जा कर लिया 1 इसीलिए आप शान्ति की सुख की स्वस्थ होने की कामना त्याग दें । आपका उद्धार होना असंभव है । क्योंकि आप गाय को काटने वाले कासाई को ही दोष नहीं दे सकते उसे मोका तब मिला जब आपने घर से गाय को निकाल दिया । एक तरफ तो आप गौ माता की पूजा करते हैं और सबसे पहली रोटी उसे खिलाते है । मगर दूसरी तरफ आप गाय माता को बेमौत मरने के लिए घर सड़क पर छोड़ देते हैं। आपका ये दोहरा चरित्र है जो गाय माता से सिर्फ दूध प्राप्त करने के लिये स्वार्थ की भावना लेकर पालने की सोच रखे हुये है। पांचवे दिन रात्रि मैं डा बी एल चौहान के घर सत्संग का आयोजन किया जिसमें मृत्यु के संबंध में उद्बोधन दिया। इस मौके सोनादहार आश्रम कथा सुनने के लिए पूर्व विधायक गोविंद सिंह पटेल, पूर्व विधायक देवेंद्र पटेल उदयपुरा, पूर्व सांसद रामेश्वर दयाल नीखरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और क्षेत्रीय श्रद्धालु भक्त जन महिला पूरुष भारी संख्या में पधारे रहे हैं। कथा का समापन आज 18 फरवरी को होगा।

रात के समय अज्ञात तत्वों ने शुलभ शौचालय में कर डाली तोड़फोड़, जांच का विषय यह है कि आखिर किसके लिये बाधक बना हुआ था सार्वजनिक शौचालय

सांईखेड़ा

जहां एक ओर केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार लोगों को स्वच्छता का संदेश देते स्वच्छता सर्वेक्षण के लिये करोड़ो रूपया खर्च करते हुये लोगों के घरों से लेकर सार्वजनिक स्थानों पर पक्के शौचालयों से लेकर पेशाब घरों का निर्माण कराने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। मगर दूसरी ओर कुछ तत्व इस तरह से होते है कि जनहितैषी कार्य उनकी आंखों में किरकिरी बनने से नही चूक पाते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई ढाढा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में उस समय देखने मिला जब कुछ साल पहले स्थानीय नगर परिषद द्वारा शासकीय राशि को खर्च करते हुये नगर की शासकीय भूमि पर शुलभ शौचालय का निर्माण कराया गया था। क्योंकि स्वच्छता सर्वेक्षण को सफल बनाने के लिये शासन का आदेश था कि नगर व कस्बों में उन स्थानों पर इस तरह शौचालय व पेशाब घरों का निर्माण होना चाहिये जहां पर बाजार लगते हो या फिर लोगों के आने जाने के चलते भीड़ की स्थिति रहती हो जिसके चलते आमजन इन शुलभ शौचालयों का उपयोग कर सके। इस तरह नगर परिषद सांईखेड़ा द्वारा बनबाये गये इस शुलभ शौचालय को बीते रात अज्ञात तत्वों द्वारा जिस तरह से तोड़फोड़ करते हुये क्षति पहुंचाई गई है। वह नगर में चर्चा का विषय ही नही बल्कि इस सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रही है कि शासकीय भूमि पर बने हुये इस शौचालय की जगह पर किसी न किसी अतिक्रमणकारी की गिद्ध दृष्टि लगी होगी ..? क्योंकि इस तरह किसी भी शराब खोरी या फिर कोई बाहरी लोगों को इस शौचालय के यहां पर निर्मित होने से कोई लेना देना तो हो ही नही सकता है..? वही दूसरी ओर जिस स्थिति में इस शौचालय को तोड़ने का प्रयास किया गया है उससे यह प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि इसमें तोड़फोड़ करने वालों द्वारा इसे यहां पर पूर्णरूप से समाप्त करने की सोच के चलते अंजाम दिया जा रहा होगा..? इस तरह शासकीय संपत्ति में की गई तोड़फोड़ को लेकर नगर परिषद के अधिकारियों द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत तो दर्ज करा दी गई है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि आखिरकार इस शौचालय को यहां से तोड़ने से किसको लाभ मिल सकता है यह जांच का प्रमुख बिंदु माना जा रहा है..? निश्चित तौर से इस घटना को अंजाम देने की सोच उसी व्यक्ति की हो सकती है जिसकी यहां पर जगह खाली होने पर अतिक्रमण करने की सोच बनी हो या फिर किसी की दुकान की सुन्दरता में ग्रहण साबित हो रहा हो..? इस तरह से नगर में बने हुये शुलभ शौचालय में की गई तोड़फोड़ की सच्चाई नगर में चर्चा का विषय बनने के साथ साथ पुलिस के लिये भी एक चुनौती साबित होने से नही चूक पा रही है कि नगर के प्रमुख माने जाने वाले स्थल जहां पर 24 घंटे आवाजाही का महौल बना रहता है इसके बाद भी अज्ञात तत्व इसमें तोड़फोड करने में सफल हो गये। यदि इस मामले की निष्ठा के साथ जांच होती है तो निश्चित तौर से चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी..?

पिकअप ने मारी आटो को टक्कर, एक दर्जन लोग घायल, कुछ घायलों की स्थिति गंभीर

सालीचौका। वाहन चालकों की मनमानी के चलते ऐसा प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि मानों अब छोटे वाहन चालकों का सड़को पर चल पाना मौत के मुंह में जाने के समान बन चुका है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ गाडरवारा पिपरिया रोड पर उस समय देखने मिली जब एक तेज गति से भाग रही पिकअप गाड़ी ने आटों को टक्कर मारे जाने के कारण आटों में सबार लगभग एक दर्जन लोग घायल हो गये। घटना के संबंध में बताया जाता है कि एक आटों चालक बनखेड़ी से सबारी लेकर गाडरवारा की ओर आ रहा था। वही गाडरवारा से पिपरिया की ओर जा रही पिकअप गाड़ी क्रमांक एम पी 05 जी 8365 ने जोरदार टक्कर मार दी गई जिसके चलते आटों में सबार लोगों को गंभीर रूप से चोटे पहुंचने के चलते उपचार हेतु शासकीय चिकित्सालय भेजा गया है। वही पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

सालीचौका का पौड़ार तिराहा बन चुका है मौत का अड्डा, ऑटो व मोटर साईकिल की टक्कर में एक की मौत तो दूसरा घायल

सालीचौका। भले की पुलिस द्वारा यातायात में सुधार लाने के लिये लगातार प्रयास किये जाने की बात कही जा रही है। मगर क्षेत्र की सड़को पर जिस तरह आटों चालकों की मनमानी के मंजर देखने मिल रहे है उसके चलते यह महसूस होने से नही चूक पा रहा है कि शायद आटों चालकों की मनमानी अब परिवहन विभाग से लेकर पेहरेदारों पर भी भारी पड़ने लगी है..? क्योंकि आटों चालकों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक आटों को इस तरह कम उम्र के बच्चे दौड़ाते हुये देखे जाते है जिनकी उम्र वाहन चलाने की नही होती है। वही दूसरी ओर अनेक आटों चालक नशे की हालत में बेलगाम गति से अपने आटों को दौड़ाने में पीछे नही रहते है। वही दूसरी ओर अक्सर देखा जाता है कि आटों चालकों को जब कोई सबारी रोकने के लिये हाथ देती है तो बगैर किसी प्रकार के संकेत दिये हुये ही मुख्य मार्ग पर ही अपने आटों को रोक दिया जाता है जिसके चलते इन आटों के पीछे चलने वाला वाहन चालक जब तक कुछ समझ पाता है तब तक वह आटों में टकराने से नही चूकता है। वही दूसरी ओर आटों चालकों द्वारा जिस तरह अपने आटों को नई नबेली दुल्हन की तरह सजाने के लिये लाईट लग वाये गये है वह रात के समय वाहन चालकों के लिये मुख्य परेशानी का कारण बनने से नही चूक रहे है। बताया जाता है कि नियम विरूद्व अतिरिक्त तेज रोशनी वाले यानि की आटों के ऊपरी भाग पर लगे हुये यह एलईडी लाईड जब रात के समय जलते है तो सामने से आने वाले छोटे वाहन चालक को न तो सड़क नजर आती है और न ही सड़क पर बैठे हुये पशु व अन्य प्रकार की चीज जिसके चलते वह दुर्घटना का शिकार होने से नही बच पाते है। इस तरह आटों चालकों की मनमानी की सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजाकर किये जाने के बाद भी अंकुश न लग पाना प्रशासन की उदासीन कार्य प्रणाली को उजागर करने से नही चूक रहा है..? क्योंकि आटों में चालकों द्वारा जिस तरह अपने आटों में अतिरिक्त लाईट लगाते हुये सड़को पर दौडाया जा रहा है उस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किया जा रहा है। कुछ इसी तरह से यहां पर घटित हुई घटना के आटों में देखा जावे तो उसके ऊपर भाग पर भी पांच एलईडी तेज रोशनी वाले लाईट अतिरिक्त रूप से लगे हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है..? वही दूसरी ओर मुख्य सड़को के चौराहों के आस पास फैल रहा अतिक्रमण यातायात में बाधा पहुंचाने के साथ साथ आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा बना चुका है? इस बात की सच्चाई सालीचौका पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले पौड़ार तिराहा पर देखने मिल रही है। जहां पर आये दिन घटित होने वाली वाहन दुर्घटनाओं के चलते लोगों की मौत होने से अब लोग इसे पौड़ार तिराहा की जगह मौत तिराहा की संज्ञा देने से नही चूक रहे है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये रविवार की देर शाम पौड़ार तिरहा के पास उस समय देखने मिली जब एक आटों व मोटर साईकिल की भिंडत होने के चलते मोटर साईकिल सबार एक व्यक्ति की मौत हो गई तो दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि ग्राम बेलखेडी निवासी राजकुमार पिता सुखराम ठाकुर उम्र लगभग 25 साल अपने साथी सुरेन्द्र पिता धर्मदास ठाकुर उम्र 20 साल निवासी ढाना थाना चावलपानी जिला छिंदवाला के साथ मोटर साईकिल से कही जा रहे थें। उसी दौरान पौड़ार तिरहा के पास तेज गति से भागते हुये आ रहे आटों चालक द्वारा मोटर साईकिल सबारों को टक्कर मारे जाने के कारण सुरेन्द्र ठाकुर की मौके पर ही मौत हो गई तथा राजकुमार ठाकुर गंभीर रूप से घायल होने के चलते उसे उपचार हेतु चिकित्सालय भेजा गया है। वही घटना को लेकर पुलिसे ने मृतक के शव का पंचनामा बनाते हुये मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया गया है।

बिजली की आंख मिचौली से शहर से लेकर ग्रामीणजन हो रहे परेशान, अधिकारी नहीं दे रहे है ध्यान

कल्याणपुर। इस समय देखा जा रहा है कि जहां बिजली विभाग द्वारा शहर से लेकर ग्रामवासियों को मन माफिख बिल देते हुए महगांई के दौर में उनकी घरों के बजट को बिगाड़ते हुये उत्सह को तो फीका कर दिया गया है। मगर वही दूसरी ओर जिस प्रकार से बिजली कटौती की जा रही है उसके चलते लोगों को मुश्किल में डाल दिया गया है। बताया जाता है कि इस समय शहर से लेकर गॉवो में जिस प्रकार से बिजली की ऑख मिचौली चल रही है, उसके चलते लोग परेशान हो रहे है तो वही दूसरी ओर बच्चें अपनी पढ़ाई नही कर पा रहे है। इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो उनके द्वारा कह दिया जाता है कि अचानक बिजली लाईन में खराबी आ जाने के कारण बंद हुई है सुधार कार्य चल रहा है। जबकि गौर किया जावे तो पूर्व बिजली विभाग द्वारा सुधार के नाम पर संपूर्ण नगर की बिजली बंद रखी गई थी, और कहा गया था कि अब जरूरत के दौरान लोगों को बिजली की परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि क्षेत्र में प्रतिदिन दिन रात में अनेकों को बार बिजली अचानक बंद हो रही है, जिससे बिजली विभाग द्वारा पूर्व के समय में किये गये सुधार कार्य को लेकर जहां अनेक सबाल खड़े हो रहे है। वही दूसरी ओर यह सबाल भी उठ रहा है कि आखिर में किस प्रकार से सुधार हुआ था जिसके चलते अब बारिश के समय में लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जो जरा सा पानी गिरते ही बिजली बंद हो रही है। अब सबाल यही पैदा हो रहा है कि क्या बिजली सुधार कार्य के नाम पर सिर्फ औपचारिकता ही निभाई गई थी या फिर शासन के पैसा की होली खेली गई थी? इस प्रकार से बिजली की आंख मिचोली के चलते सर्वधिक परेशानी नगर के उन रिहाईशी इलाकों के निवासियों को हो रही है, जहां पानी की सप्लाई नलकूपों के माध्यम सें की जाती है। इन इलाको में बार बार बिजली बंद होने से पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इस प्रकार से लगातार हो रही बिजली की अघोषित कटौती को लेकर नागरिको का कहना है कि शाम ढलने के साथ ही बिजली की ऑख मिचौली शुरू हो जाती है जो लगभग सारी रात व दिन में भी जारी रहती है?

ग्राम बसुरिया में हुआ मुख्यमंत्री गौशाला का हुआ शुभारंभ पंचायत जनप्रतिनिधि सहित अधिकारी रहे मौजूद

सालीचौका। जनपद पंचायत चीचली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन एवं ग्राम पंचायत बसुरिया के सहयोग से ग्राम बसुरिया में बीते हुये दिव मुख्यमंत्री गौशाला का शुभारंभ श्रीमति फूलवती बाई अटरोईया की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बताया जाता है कि इस मौके पर सर्वप्रथम पंडित नित्य गोपाल तिवारी द्वारा मंत्रो उच्चारण करते हुए गौमाता पूजन अर्चन से किया गया है। वही गाय माता की आरती उतारी गई। इस मौके पर ग्राम सरपंच कमलेश सिलोकिया ने सभी क्षेत्रवासियों से अपेक्षा जताते हुये कहा गया है कि जो गौ वंश बे सहारा होकर सड़को पर घूम रहे हैं उन्हें गौशाला पहुंचाए व अपना सहयोग करें । वही मुकेश नगापुरिया ने सभी किसान भाईयों से भूसा पियार देने का आग्रह किया गया। इस दौरान नवांकुर संस्था हरदौल जन सेवा समिति सचिव रामेश्वर वर्मा ने गौशाला के लिए दो पंखा भेंट किए गये। जिससे आने वाले दिनों गौ माता को गर्मी से राहत मिल सके । वही इस दौरान सुमित/ लीलाधर लोधी ने एक पेड़ गौ माता के नाम से लगाते हुये वृक्षारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपनी बात रखी। इस कार्यक्रम में ग्राम वरिष्ठ भानू प्रताप वर्मा , हेमराज ढिकवार, कमलेश सिलोकिया सरपंच , मुकेश नगपुरिया, रामेश्वर वर्मा , दीपक वर्मा , तरुण, सुमित लोधी , सुरेश लोधी, लीलाधर लोधी , कमलेश वर्मा, हरिश मेहरा , बादामी अहिरवार, ढुर्गा अहिरवार सहित अन्य लोग मौजूद थें।

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री मत्स्य किसान सह समृद्धि योजना का ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ

डिण्डौरी सहायक संचालक आर. के. चंदेल द्वारा बताया गया कि केन्द्रीय केबिनेट ने 08 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अन्तर्गत केन्द्रीय स्तर की उप-योजना प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना का अनुमोदन किया है। योजना का कियान्वयन आगामी 4 वर्षों तक किया जाना है। योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु भारत सरकार द्वारा विकसित नेशनल फिशरीज डिजीटल प्लेटफार्म पर इच्छुक मछुआरे, मत्स्य किसान, मत्स्य विक्रेता एवं मत्स्य उद्यमी अपना पंजीयन करवाकर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना अंतर्गत ऋण सुविधा, मत्स्य सहकारी समितियों का सशक्तिकरण, जलीय कृषि बीमा, प्रदर्शन, अनुदान, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण इत्यादि गतिविधियां सम्मिलित है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये आपके नजदीकी कॉमन सर्विस सेन्टर से संपर्क कर ऑनलाईन पंजीयन एवं आवेदन कर सकते है। साथ ही मत्स्य विभाग के जिला कार्यालय में भी सपर्क कर सकते है।

पृथ्वी सेना 4 वर्षों से लगातार कर रही है वृक्षारोपण

न्यूज डिंडोरी जिले के विकासखंड अमरपुर में ग्राम चांदपुर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर पृथ्वी सेना विगत 4 वर्षों से लगातार हर रविवार वृक्षारोपण कर उनके देखरेख का कार्य कर रही है । पृथ्वी सेना दो लोगो जितेश शुक्ला और नयन शुक्ला के द्वारा शुरू की गई।4 वर्षों में पृथ्वी सेना के द्वारा हजारों की संख्या में पौधे रोपे गए हैं और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाई जा रही है।पृथ्वी सेना द्वारा विशेष रूप से पीपल और बरगद के पौधे लगाए जाते हैं क्योंकि ये पौधे लोगो की आस्था से जुड़े होते हैं जिसके कारण इनकी सुरक्षा में मदद के साथ साथ इनके आस पास साफ सफाई भी सुनिश्चित हो जाती है।। जल संरक्षण एवम वनों की रक्षा के लिए चेतना जगाने में पृथ्वी सेना को चारों तरफ से जबरदस्त समर्थन और सहयोग मिला है । पृथ्वी सेना में अब सदस्यों की संख्या 300 हो गई है। वृक्षों और जंगलों की कमी का परिणाम अब हर जिले और हर गांव में जल संकट और बढ़ते तापमान के रूप में दिखने लगा है । इस रविवार पृथ्वी सेना द्वारा चांदपुर गांव के वीरान और खाली पहाड़ों में रोपे गए 100 पौधो को पानी देने में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ,इसके साथ साथ पुराने लगाए हुए पौधों में भी पानी देने का कार्य किया गया।इस अवसर पर पृथ्वी सेना अध्यक्ष जितेश शुक्ला ,अर्पित तिवारी,अजेंद्र सैयाम ,,आकाश,नयन ,चमन,राहुल, बेटू,सदन ,अंकित ,सुरेंद्र सैयाम, मदन,अंतराम आदि उपस्थित रहे। पृथ्वी सेना द्वारा जिलेवासियों से अपील की गई कि गर्मी ने दस्तक दे दी है इसलिए अपने आस पास छोटे पौधों को पानी जरूर दे।

यातायात हाईवे चौकी फुनगा का पुलिस अधीक्षक ने किया उद्घाटन

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान द्वारा पूर्व में स्थापित हाईवे चौकी फुनगा का उद्घाटन किया गया। चौकी में 02 सहायक उप निरीक्षक, 03 प्रधान आरक्षक, 05 आरक्षक सहित कुल 11 पुलिस अधिकारी कर्मचारी तैनात किए गए। जिनका कार्य हाईवे रोड पर रात्रि के समय सतत पेट्रोलिंग, शराब के नशे में वाहन चलाने वालों पर कार्यवाही एवं कोतमा शहर की यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करना तथा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में प्रयास करने के साथ सड़क दुर्घटना में मृत्यु को रोकने के हेतु घायलों को तत्काल मदद पहुंचने के उद्देश्य से हाईवे चौकी का संचालन प्रारंभ किया गया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने किया

जिला जनजाति छात्र संसद का आयोजन

डिण्डौरी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद डिंडोरी जिले के द्वारा रानी अवन्ति बाई स्टडी सर्किल के माध्यम से मेकलसुता महाविद्यालय में जिला जनजाति छात्र संसद का आयोजन किया गया जिसमें जिले समस्त महाविद्यालय से जनजाति छात्र छात्राओं ने सहभागिता की,जनजाति छात्र संसद का उद्देश्य जनजाति समाज में शिक्षा,स्वास्थ्य ,स्वावलंबी कैसे बने कार्यक्रम में मुख्य रूप से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महाकोशल प्रांत के प्रान्त जनजाति प्रमुख/डिंडोरी जिला संगठन मंत्री अमन अठनेरिया जी ,मेकलसुता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ बिहारी लाल द्विवेदी जी,प्रांत कार्यकारिणी सदस्य प्रीति मरकाम जी,प्रांत कार्यकारिणी सदस्य/डिंडोरी नगर मंत्री दीपेन्द्र जोगी,नगर सह मंत्री दीपक बर्मन जी,भाग संयोजक विशाल ओबेरॉय जी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन डिंडोरी नगर सह मंत्री दीपक बर्मन जी ने करते हुए बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा दिल्ली में अखिल भारतीय जनजाति छात्र संसद का आयोजन 9 मार्च को होना है जिसके निम्मित यह जिला संसद का आयोजन किया गया है।प्रांत कार्यकारिणी सदस्य दीपेंद्र जोगी ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सन 1949, से लगातार छात्र हित को लेकर

काम करते आ रहा है,आरण्यक, ग्राम्य और नगरीय जीवन शैलियों को एक सूत्र में पिरोने वाली भारतीय संस्कृति का सांस्कृतिक प्रतिनिधित्वकर्ता भारत का जनजातीय समाज ही है, जिसका अपना एक गौरवशाली इतिहास और सामाजिक संगठन है, जिसकी समृद्ध परंपराएँ और गहरी आध्यात्मिक चेतना हमें उनसे बहुत कुछ सीखने के लिए प्रेरित करती है।प्रांत जनजाति प्रमुख/डिंडोरी जिला संगठन मंत्री अमन अठनेरिया जी ने बताया कि जिला छात्र संसद का आयोजन जनजाति क्षेत्र में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबी के लिए क्या अवसर है उन मुद्दों पर चर्चा कर चयनित अच्छे वक्ता को दिल्ली भेजा जाएगाजनजातीय लोग कभी दिखावा नहीं करते, उनकी सरलता-सहजता मन मोह लेती है। जनजातीय समाज की खानपान की शैली बीपी-शुगर जैसी लाइफ स्टाईल से जुड़ी बीमारियों से दूर रखती है। जनजातीय छात्र संसद गौरवशाली अतीत पर आयोजित यह कार्यक्रम जनजातीय समाज के गौरव को पूरे समाज के सामने लाने में मील का पत्थर साबित होगी।

मेकलसुता प्राचार्य डॉ बिहारी लाल द्विवेदी जी ने बताया कि जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। यह सोचकर गर्व होता है कि अनेक महान स्वतंत्रता सेनानियों का जन्म जनजातीय समाज में हुआ। अपने देश के लिए संघर्ष करने की परम्परा जनजातीय समाज में प्रारंभ से रही है। शहीद वीर नारायण सिंह, गैंदसिंह, गुण्डाधूर जैसे अनेक महान नायकों ने अपना बलिदान दिया। पूरी दुनिया आज जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों से गुजर रही है। ऐसे में प्रकृति का संरक्षण बहुत आवश्यक है। जनजातीय समाज ने हमें प्रकृति के संरक्षण का मार्ग दिखाया है, जो आज भी अनुकरणीय है। जनजातीय समाज में प्रकृति की पूजा की जाती है। पूर्वी छत्तीसगढ़ में साल के पेड़ में जब फूल आते है तो सरहुल पर्व मनाया जाता है।

एबीवीपी के जिला प्रमुख डॉ विकास जैन जी ने कार्यक्रम में आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनजातीय संस्कृति में गहरी आध्यात्मिकता छिपी है। प्रकृति को सहेजकर, प्रकृति के अनुकूल जीवन जीना। बड़े-छोटे, स्त्री-पुरुष में किसी तरह का भेदभाव नहीं। सब बराबर हैं और प्रकृति का उपहार सबके लिए है। ये बातें हमें इस समाज से सीखने की आवश्यकता है। वास्तव में जीवन जीने की कला जनजातीय समाज से सीखनी चाहिए। जनजातीय समाज में दहेज जैसी सामाजिक बुराई का अस्तित्व नहीं है। भगवान बिरसा मुण्डा का शौर्य हमें हमेशा जीवन में साहस की राह दिखाता है।

प्रांत कार्यकारिणी सदस्य प्रीति मरकाम जी ने बताया कि संग्राम में जनजातीय समाज का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस समाज में अनेक महापुरूषों ने जन्म लिया जिन्होंने 1857 क्रांति के पहले ही अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष की शुरूआत की। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों को बड़ा नुकसान जनजातीय क्षेत्रों में हुआ, अनेक मौकों पर उन्हें मजबूर होकर पीछे हटना पड़ा।

ग्राम चौरा में सार्वजनिक साप्ताहिक अखण्ड श्रीराम कीर्तन का आयोजन

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भाखामाल के ग्राम चौरा रैयत में राठौर समाज के द्वारा सार्वजनिक सात दिवसीय अखंड श्रीराम कीर्तन का आयोजन किया गया हैं। आयोजकों द्वारा बताया गया कि 15 फरवरी से साप्ताहिक अखण्ड श्रीराम महाकीर्तन का आयोजन किया गया हैं। जिसमें अनेक गांवों के राठौर समाज श्रीराम कीर्तन मंडलियों को आमंत्रित किया गया हैं। श्रीराम कीर्तन कार्यक्रम में सभी आमंत्रित मंडलिया अपने -अपने पार्टी देकर श्रीराम कीर्तन किया जाएगा और सभी सामाजिक धर्मप्रेमी श्रोता उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करें और ग्राम चौरा रैयत राठौर सामाज सार्वजनिक समिति व ग्रामीणों को कृतार्थ करें। साप्ताहिक अखण्ड श्रीराम कीर्तन यज्ञ कार्यक्रम में निरंतर सातों दिनों तक भंडारा प्रसादी चलता रहेगा। वहीं पर 22 फरवरी को हवन, विसर्जन के पश्चात विशाल भंडारा कार्यक्रम रखा गया हैं। साप्ताहिक अखण्ड श्रीराम कीर्तन ग्राम चौरा रैयत राठौर सामाज सार्वजनिक समिति के द्वारा सभी सामाजिक धर्मप्रेमी श्रोता मंडलियों को आमंत्रित किया जाता हैं।

जनशिविर में विधायक ने किया हितग्राहियों को हितलाभ वितरण

डिण्डौरी

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शासन की योजनाओं को धरातल पर साकार करने के उद्देश्य से 11 दिसंबर 2024 से प्रारंभ होकर 26 जनवरी 2025 तक निरंतर जनशिविर आयोजित किये गए। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान का समापन कार्यक्रम राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। अमरपुर में सोमवार को आयोजित जन शिविर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत हितग्राहियों से प्राप्त आवेदन के आधार पर विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने अभियान के दौरान आवेदन करने वाले हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया। अभियान के दौरान प्राप्त आवेदनो पर कार्यवाही कर अभियान के अग्रिम चरण में आवेदकों को हितलाभ वितरण करने के उद्देश्य से आज जनपद पंचायत अमरपुर की ग्राम पंचायत मोहनझिर में आयोजित कार्यक्रमों में विधायक ओमप्रकाश धुर्वे शामिल हुए। आज आयोजित शिविर में भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, अनिल साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन के राजस्व, पंचायत, महिला एवं बाल विकास, कृषि सहित अन्य विभागों के विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। आयोजित जनशिविरों में आज हितलाभ

वितरण के साथ ही अभियान के दौरान शेष रह गए पात्र हितग्राहियों के आवेदन भी स्वीकार किये। विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अभियान के दौरान 60 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त किये गए, जिन पर सम्बंधित विभाग कार्य कर लोगों को लाभान्वित कर रहे है। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के माध्यम से जिला प्रशासन आपके द्वार तक आपकी समस्याओं का निराकरण करने पहुंची है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में किए जा रहे निर्माण कार्यों से ग्राम का विकास किया गया। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से लोगों का उपचार किया जा रहा है, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लोगों के पक्के आवास का सपना पूरा हुआ है, अभी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सर्वे कार्य प्रारम्भ है, सभी का नाम सर्वे में शामिल कर पक्का आवास बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान में आयोजित जनशिविरों को सफलतापूर्वक संचालित किया गया है। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम कहा कि ने जन कल्याण अभियान के बारे में कहा कि अभियान के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति तक के लोगों को पहुंचाने का काम किया गया। जन कल्याण अभियान के माध्यम से जनता तक सुलभ रूप से पहुंचाया गया, जिससे सभी जन लाभान्वित हुए है। अभियान के तहत जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में जनकल्याण शिविर आयोजित हुए, जिनमें 60 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त किये। आवेदनों पर कार्यवाही करते हुए, सभी विभाग हितग्राहियों को शासन की योजना का लाभ दे रहे है।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई समय सीमा की बैठक

डिण्डौरी

कलेक्टर ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समय सीमा बैठक ली। बैठक में विभागवार संचालित योजनाओं एवं कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। उक्त बैठक में वनमण्डल अधिकारी सामान्य पुनीत सोनकर, वनमण्डल अधिकारी उत्पादन हरिओम, सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम, एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी, एसडीएम बजाग वैधनाथ वासनिक, डिप्टी कलेक्टर रामबाबू देवांगन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।कलेक्टर ने आगामी बोर्ड परीक्षा और शिक्षण सत्र 2025-26 की तैयारियों के संबंध में शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी सत्र के लिए पाठ्य पुस्तक वितरण एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का परिपालन समय पर सुनिश्चित करायें। कलेक्टर मारव्या ने अमृत सरोवर फेज-2 के निर्माण कार्य के संबंध में निर्देशित करते हुए कहा कि नवीन अमृत सरोवरों के निर्माण के लिए चिन्हित स्थानों का अवलोकन संबंधित सभी विभाग जनभागीदारी सुनिश्चित कर उचित रूप से करायें। कलेक्टर ने भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में जिले से भेजे जाने वाले उद्योगपतियों के संबंध में उद्योग विभाग से जानकारी ली एवं तत्संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए, सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा, कि ग्राम पंचायतों में चल रही जल जीवन मिशन योजना को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए योजनागत कार्य करें, जिससे संचालित योजनाओं में कोई समस्या ना आये और शेष योजनाओं को पूरा करवाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए चल रहे विभागीय गतिविधियों, अभियानों, सीएम हेल्पलाईन एवं समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों को संतुष्टि के साथ निराकरण कराने पर प्राथमिकता दें। निराकरण के लिए सभी उचित जबाव प्रस्तुत करें। समय-सीमा के लंबित प्रकरणों के तहत नजूल प्रकरण, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, योजना एवं सांख्यिकी विभाग, सहकारिता विभाग सहित अन्य विभागों को पर विस्तृत समीक्षा कर तत्संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सार्थक एप्प से उपस्थिति सुनिश्चित कराने, शासकीय भवनों में रैंप सुविधाएं, समय सीमा बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने और आजीविका मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए तत्संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने जल संरक्षण हेतु किया श्रमदान

जन सहभागिता और श्रमदान से कराया गया बोरी बांध कार्य

डिण्डौरी

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम अंतर्गत बीएमडब्ल्यू / एमएसडब्ल्यू के छात्र छात्रों के द्वारा ग्राम लाखों में राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मध्य प्रदेश शासन द्वारा 'जल अभियानः सहभागिता से पानी का संरक्षण एक्सपोजर विजिट अंतर्गत जल संरक्षण का कार्यक्रम बोरी बांध किया गया। इस दौरान समरसता भोज का भी आयोजन किया गया, उक्त कार्यक्रम में गणेश सिंह राजपूत प्रकाश राजपूत बृजमोहन हनुमंत ललित उईके रघुनाथ चंदेल रतन बेलिया ग्राम के सरपंच अशोक धुर्वे प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष सतीश मरावी, कोमल सिंह, अरुण चंदेल कार्यक्रम समन्यवक सेक्टर क्रमांक 3 सहित ग्राम के लोग बीएसडब्ल्यू / एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जल संग्रहण की इस तकनीक के कई फायदे हैं, जैसे बोरी बंधान सस्ता होने के साथ कम समय में बनाया जा सकता है और इससे जल संग्रहण करने में कई गुना फायदा होगा। इसकी देखरेख का कोई खर्चा नहीं आता है, जिसमें पानी और मिट्टी के संरक्षण व संवर्धन के लिए उपचार विधियों, तकनीकों व संरचनाओं संबंधी विकल्प और सुझाव दिए गए हैं। क्योंकि स्थानीय लोग स्वयं इसकी देखरेख कर सकते हैं। पक्के बांधों की तुलना में इससे कम खर्च सलाना तौर पर वर्षा जल का संग्रहण बढ़ाया जा सकता है। मिट्टी का कटाव रोकने के लिए बोरी बांध का उपयोग किया जाता है। जल संग्रहण और भूजल भण्डारण की प्रक्रिया को तेज करने के लिए एक नई तकनीकी को मान्यता दी गई, जिसे बोरी बांध के नाम से जाना जाता है। इससे भूजल पुनर्भरण में तो मदद मिलती ही है, साथ ही इससे सिंचाई हेतु पानी के सतही स्रोत का भी भरपूर उपयोग किया जा सकता है।

कलेक्टर नेहा मारव्या पुलिस विभाग की समीक्षा बैठक में हुई शामिल

डिंडौरी न्यूज़।

पुलिस कन्ट्रोल रूम सभागार में आयोजित पुलिस विभाग की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या, पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह के साथ समीक्षा बैठक में शामिल हुई। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, एडीएम सुनील शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम, एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी, एसडीओपी डिंडौरी श्री केके त्रिपाठी, एसडीओपी शहपुरा श्री मुकेश अबिद्रा, एसडीओपी बजाग श्री पुरषोत्तम मरावी, एडीपीओ श्री लक्ष्मीनारायण साहू सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर नेहा मारव्या ने जिले के कानून व्यवस्था की संरचना के संबंध में जानकारी ली। जिसमें पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह ने पुलिस विभाग के तहत आने वाले समस्त पुलिस थाना, पुलिस चौकियां और पुलिस के उपभागों

के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने समस्त थाना क्षेत्र के आधार पर आने वाले आपराधिक मामले जघन्य अपराध, यातायात व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम आपस में समन्वय बनाकर कानून व्यवस्था को प्रबंधित करें। यातायात व्यवस्था को सुदृढ करने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए समन्वित कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन कराने के लिए कार्य करें और चेकिंग सिस्टम को और बेहतर बनाएं। जिले के ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर तत्संबंध में आवश्यक कार्य करें। यातायात संबंधित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सडकों पर स्पीड ब्रेकर, रेडियम युक्त संकेतक आदि सुनिश्चित कराएं।पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह ने सभी थाना प्रभारियों और चौकी प्रभारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अपने थाना क्षेत्रों में संबंधित स्टॉफ की जानकारी सूचना पटल पर लगवाना सुनिश्चित करें।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, मंगलवार 18 फरवरी 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन सम्पन्न हुआ

नरसिंहपुर। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन जिले के 1244 केन्द्रों में सम्पन्न हुई। समस्त विकासखंड स्रोत समन्वयक, बीएसी, जन शिक्षक, विकासखंड, संकुल सह समन्वयक ने इन सामाजिक चेतना केंद्रों का अवलोकन किया। जिला परियोजना समन्वयक डॉ. आरपी चतुर्वेदी ने जनपद शिक्षा केंद्र नरसिंहपुर के सामाजिक चेतना केंद्र रानी पिपरिया का अवलोकन किया। उन्होंने मूल्यांकन केंद्र पर सामाजिक चेतना केंद्र के अक्षरसाथी से कक्षा संचालन एवं उल्लास नव भारत साक्षरता की गतिविधियों पर चर्चा की। जिला सह समन्वयक अखलेश राजौरिया ने सम्मिलित असाक्षरों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिले के सामाजिक चेतना केंद्रों पर हुए मूल्यांकन में एनआईएलपी के माध्यम से ऑनलाइन सर्वे द्वारा चिन्हांकित किए गए एवं प्रवेशिका पूर्ण कर अंतरिम मूल्यांकन में सफलता का प्रमाणीकरण नहीं होने, इच वन टीच वन के माध्यम से बसाहट के असाक्षर सम्मिलित हुए। परीक्षा के लिए जिले में शासकीय प्राथमिक व माध्यमिक शालाओं को परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये गये। जिसमें प्राथमिक व माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं अक्षर साथियों आदि के सहयोग से पर्यवेक्षण एवं मूल्यांकन का कार्य सम्पादित किया गया।

उत्कृष्ट विद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ी

नरसिंहपुर। उत्कृष्ट विद्यालय प्रवेश चयन परीक्षा 2025- 26 में कक्षा 9 वीं में प्रवेश लेने के लिए अब 20 फरवरी तक आवेदन भरे जायेंगे। पूर्व में यह तिथि 15 फरवरी नियत की गई थी, जिसे संशोधन कर अब 20 फरवरी तक बढ़ाई गई है। इसके अलावा परीक्षा रविवार 9 मार्च को प्रातरू 9.45 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक आयोजित की जावेगी।परीक्षा का केन्द्र जिला स्तरीय विद्यालय होंगे तथा आवेदन संख्या अधिक होने पर परीक्षा केन्द्र विकासखंड स्तरीय विद्यालय बनाये जावेंगे।

लोक निर्माण विभाग कार्यालय बिना नाम पट्टी के संचालित

गोटेगांव। तहसील के अंतर्गत नगर में स्थित अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग का कार्यालय टीन शेड में चल रहा है। मालूम हो कि काफी वर्षों से यह कार्यालय टीन शेड से बने भवन में खुला है। परंतु इस कार्यालय की एक और बड़ी उदासीनता यह है कि इस भवन के ऊपर लोक निर्माण विभाग कार्यालय के नाम से कोई नेम पट्टी नहीं लगी। वैसे तो ज्यादातर सभी कार्यालय में नाम से संबंधित नेम पट्टी या बोर्ड लगे हुए हैं। परंतु लोक निर्माण विभाग एकमात्र कार्यालय है जो विगत कई वर्षों से बिना नाम पट्टी के ही कार्यालय संचालित हो रहा है। वहीं कार्यालय के बाजू में विभाग के अधिकारीयों के रहने आवास बने है। वह भी जर्जर हालत में पहुंच चुके हैं और एक आवास तो बिल्कुल खंडार हो चुके हैं।

गुमशुदा पुत्र पाकर झूम उठे परिजन

तेंदूखेड़ा। पिछले बुधवार को सागर जिले के काछी पिपरिया रहली से बरमान रेता घाट स्नान करने अपने मामा के साथ पहुंचे 15 वर्षीय अभिषेक पटेल अचानक गुम हो गया था।जिसकी पतासाजी की जा रही थी गुमशुदी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई गाई थी। समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित होने के उपरांत लोगों ने खबर को पढ़कर उसे बरमान के ही मंदिर में बैठा देख तत्काल परिजनों को फोन द्वारा जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजन अभिषेक को पाकर झूम उठे। अभिषेक पटेल मानसिक विकलांग भी है। परिजनों ने अभिषेक के साथ नर्मदा जी में पहुंच कर पुनः पूजन अर्चन किया।

परिवहन नियमों का उल्लंघन करने पर 19 वाहनों पर जुर्माना

नरसिंहपुर। विगत दिवस परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस ने संयुक्त रूप से बस स्टैंड नरसिंहपुर में 68 वाहनों की चेकिंग की गई। परिवहन नियमों का उल्लंघन करने वाले 19 वाहनों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 26 हजार 500 रुपये समन शुल्क वसूल किया गया। यह समन शुल्क ड्राइवर व कंडक्टर की वर्दी, परमिट शर्तों का उल्लंघन, पीयूसी नहीं होने संबंधी धाराओं में वसूल किया गया। मौके पर जिला परिवहन अधिकारी जितेन्द्र शर्मा, परिवहन पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

चरनोई भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध हो सख्त कार्यवाही

सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाया जाये

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक सोमवार को संपन्न हुई। उन्होंने आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज राजस्व प्रकरणों व उनके निराकरण, राजस्व वसूली, अतिक्रमण, नरवाई में आग लगाने पर हुई कार्यवाही आदि के संबंध में विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में बताया गया कि राजस्व वसूली के तहत जिले में एक अप्रैल 2024 से 16 फरवरी 2025 तक 3 करोड़ 51 लाख 73 हजार रुपये की राजस्व वसूली की जा चुकी है। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि कार्य योजना बनाकर राजस्व वसूली के लक्ष्य को पूरा किया जाये। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में चरनोई भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। राजस्व अमले की जिम्मेदारी है कि सरकारी भूमि अतिक्रमण मुक्त रहे। उन्होंने नरवाई जलाने के प्रकरणों में राजस्व अधिकारियों के स्तर से की गई कार्यवाही की भी जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि राजस्व प्रकरणों पर लगातार सुनवाई करें। इसके तहत रिकार्ड सुधार, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती, फार्मर रजिस्ट्री, आधार से खसरा लिकिंग, ई-केवायसी आदि बिन्दुओं पर कलेक्टर श्रीमती पटले ने विस्तार से सर्किलवार समीक्षा की। सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि आरसीएमएस पोर्टल पर प्रकरणों की स्वयं मॉनिटरिंग करें।

बैठक में जिले में फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती पटले ने निर्देश दिये कि जिले में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाये। राज्य सरकार की इस महत्वपूर्ण पहल के तहत प्रत्येक किसान को एक विशिष्ट फार्मर आईडी प्रदान की जायेगी। यह आईडी न केवल किसानों की पहचान सुनिश्चित करेगी, बल्कि एक व्यापक किसान डेटाबेस तैयार करने में भी मदद करेगी। इससे कृषि नीतियों के क्रियान्वयन में सुविधा होगी और किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

माझी आदिवासी समाज द्वारा सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज-नरसिंहपुर।

माझी आदिवासी समाज नरसिंहपुर द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया जिसमें मांग की गई कि माझी जनजाति को मध्यप्रदेश राज्य में भारतीय संविधान अधिनियम 1950 अनुच्छेद 341, 342 के तहत एवं भारतीय संविधान के संशोधन नियम 1976 के अनुसार संपूर्ण मध्यप्रदेश राज्य में अनुसूचित जनजाति का आरक्षण प्रदान किया गया है व माझी जनजाति में समाहित केवट, मल्लाह, भोई ढीमर जातियों को पूर्व विन्ध्य प्रदेश के चीफ सेकेट्री की अनुशंसा के अनुसार जनजाति माना गया था। संलग्न पत्र अनुसार पूर्व में माझी जनजाति को आठ जिलों रीवा, सतना, सीधी, शहडोल, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, दातिया आदि विन्ध्य क्षेत्र के जिलों में माझी जनजाति के अनुसूचित जनजाति की सूची में अधिसूचित कर जनजाति (शेडयूल ट्राइब्स) का आरक्षण प्रदान किया गया। किन्तु माझी में समाहित जनजाति केवट, मल्लाह, भोई ढीमर जातियों को अधिसूचित नहीं किया गया जिसकी वजह से मूल माझी में समाहित नामों को आरक्षण का लाभ नहीं दिया गया। वर्तमान में मध्यप्रदेश राज्यपुर्नगठन अधिनियम वर्ष 2000 के आदेशानुसार भी माझी जनजाति को आरक्षण प्रदान है। ज्ञापन के माध्यम से माननीय राष्ट्रपति महोदय से निवेदन किया गया कि मध्यप्रदेश राज्य की माझी जनजाति में समाहित केवट, मल्लाह, भोई, ढीमर जातियों को माझी जनजाति के साथ अधिसूचित कर जनजाति के आरक्षण का लाभ प्रदान करने के आदेश जारी करने की कृपा करें जिससे कि समाज सामाजिक व आर्थिक रूप से प्रगति कर सके। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से अमर नोरिया, सोहन रैकवार, अमर सिंह नोरिया, संजय नोरिया, प्रदीप कश्यप, तुलसी नोरिया, मनोज नोरिया, गौरव रैकवार,पप्पू नोरिया,राजाराम कहार, भगवान दास कहार, दलपत सिंह नोरिया,हीरालाल कहार, कमल नोरिया, ऋषि कश्यप आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बर्ड फ्लू को रोकने के लिए बरती जाये सर्तकता

कलेक्टर ने ली समय सीमा की बैठक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाली समय सीमा की बैठक कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह सहित विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख मौजूद थे।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन, समय सीमा में दर्ज प्रकरण, विभिन्न आयोग से प्राप्त शिकायतों सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान पाया कि स्वास्थ्य विभाग एवं परिवहन विभाग डी केटिगिरी में है, जबकि खनन, वन एवं जनजातीय कार्य विभाग सी केटिगिरी में है। कलेक्टर श्रीमती पटले ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक निराकरण कर ए केटिगिरी में लाने के प्रयास करने के निर्देश दिये।

बैठक में उप संचालक पशु चिकित्सा एवं सेवाएँ डॉ. मोहम्मद असगर ने बताया कि छिंदवाड़ा जिले में भी बर्ड फ्लू वायरस पुष्टि होने के बाद नरसिंहपुर जिला अलर्ट हो गया है। जिले में अभी तक एक भी बर्ड फ्लू का केस नही आया है। बर्ड फ्लू के संभावित खतरे को देखते हुए सेंपल भी कलेक्ट किये जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती पटले ने सावधानी बरतते हुए पशु एवं चिकित्सा सेवायें विभाग, राजस्व एवं पुलिस विभाग के अमले के साथ चिकन और मटन शॉप पर जाकर इसकी मॉनीटरिंग करते रहें।

बैठक में कलेक्टर ने बाल एवं कुमार प्रतिषेध एवं विनियमन अधिनियम 1986 संशोधित 2017 के अंतर्गत सभी निर्माण विभागों को निर्देश दिये कि समस्त निर्माणाधीन स्थलों के निरीक्षण के दौरान बाल श्रम न हो और बाल श्रम निषेध प्रतिबंधित बोर्ड का प्रदर्शन भी किया जाये। इसकी भी जाँच की जाये। साथ ही कार्यरत श्रमिक महिलाओं के बच्चों को क्रेच-पालनाघर की व्यवस्था या संबंधित आँगनबाड़ी केन्द्र में भेजना सुनिश्चित किया जाये।

बुजुर्गों ने साझा किये अपने अनुभव हुआ पंच रत्नों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

वरिष्ठ जन परिषद द्वारा राम जानकी मंदिर धनारे कालोनी नरसिंहपुर में विचार अनुभव गोष्ठी के साथ ही पंच रत्नों के सम्मान का आयोजन किया गया। प्रभु की वंदना संकीर्तन और हनुमान चालीसा पाठ से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। डा.महेश त्रिपाठी,गणेश कुमार चतुर्वेदी, एड.जोगेन्दर सिंह, देवेंद्र दुबे, प्रेमशंकर राघव, डी डी गोस्वामी, एन सी जैन, सी बी शर्मा, एस के चतुर्वेदी, आर के नेमा, यू एस उपाध्याय, धनपत तिवारी ,प्रभात राय, अशोक वर्मा, मदन श्रीवास्तव, डा केदार गुप्ता, बी एस पटेल, अनिल राय, सुबोध शर्मा, पं.एम एल हरदेनिया, पं.सी पी मिश्रा, श्री अग्रवाल, राजेन्द्र शर्मा, सहित सभी वरिष्ठ जनों ने अपने अपने अनुभव साझा किये।जिसमें माता पिता गुरुजनों का सम्मान,नारी शक्ति का आदर बेटी को सुनहरा कल,दया विनम्रता के भाव सहित परोपकार सेवा,रोज डे वेलेंटाइन डे की जगह मां बाप गुरु का पूजन, प्रकृति का संरक्षण,लगन उत्साह से धार्मिक उत्सवों का आयोजन, सत्संग और भगवान की भक्ति जैसे अनिवार्य चिंतन और विचार उभरे। इन पर अमल करने हेतु सभी ने निर्णय लिया।उक्त अवसर पर ओज कवि अशोक त्रिपाठी ने भारतीय संस्कृति संस्कार और देशभक्ति से ओतप्रोत भावमयी कविताएं सुनाकर कार्यक्रम में समां बांधा। नगरपालिका शिक्षा राजस्व सहकारिता सहित उद्योग विभाग में अपनी अनुकरणीय सेवा देने के बाद भक्ति और सेवा का दायित्व निभाने वाले सन्तोष शर्मा विजय शर्मा छत्रपाल कोरी दिनेश श्रीवास्तव और श्रवण पटेल की परिषद द्वारा पुष्पमाला शाल श्रीफल से स्वागत सम्मान और नागरिक अभिनंदन किया गया। सम्मानित जनों ने भी अपने विचार अनुभव साझा किये। कार्यक्रम का संचालन अशोक त्रिपाठी ने किया।

फर्जी बिल लगाकर पंचायत की राशि का हो रहा दुर्पयोग

तेंदूखेड़ा। चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत ढिलवार में आर्थिक अनियमिताएं चरम सीमा पर है। यहां पर ग्राम पंचायत सदस्यों और गांव के लोगों को दरकिनार करते हुए ग्राम विकास के लिए आये लाखों रुपए की राशि खर्च तो हो गई है लेकिन गांव में यह राशि देखने को नहीं मिल रही है।इसी विषय से नाराज पंचायत सदस्य अब खुलकर सड़कों पर उतरने एक जुट हो रहें हैं।इन सदस्यों का मानना है कि कोई भी निर्माण कार्य विकास बार बार नहीं होता है। और ना ही बार बार राशि मिलती है। यदि मौका मिला है तो उसे पूरी ईमानदारी और गुणवत्ता से पूरा कराया जाये।काफी लंबे समय तक ग्राम पंचायत सरपंच सचिव के ऊपर भरोसा किया लेकिन जब पंचायत को भ्रष्टाचार का चारागाह बनाया जाने लगा तो अब उसके खिलाफ सड़कों पर उतरने तैयार हो रहें हैं।बात ग्राम पंचायत भवन निर्माण से शुरू हुई। रविवार को सदस्यों की आपात बैठक में पंचायत की गतिविधियों की जानकारी मांगी गई तो केवल मौखिक जानकारी और पूर्व में डाले गए प्रस्ताव पारित होने के बाबजूद हवा-हवाई हो जाने की स्थिति में सदस्यों ने खुलकर विरोध जताया और पंचायत में अभी तक हुये कार्यों खर्च राशि का ब्यौरा भी मांगा गया है। पंचायत सदस्यों का कहना है कि पंचायत के अंतर्गत विभिन्न वार्डों में नालि निर्माण सड़क बाउंड्री वॉल नाला निर्माण टेंकर सुधार और टायर,खरीदे जाने के फर्जी बिल लगा दिए जाते हैं। इतना ही नहीं डी एस सी राजमार्ग से कटवाने के लिए केवल फोन पर जानकारी दे दी जाती है। और अब फर्जीवाड़ा सामने आने हेराफेरी कर भ्रष्टाचार छिपाने की दिशा में सचिव सक्रिय हो गये हैं।पानी रोकने के लिए चेक डेम निर्माण के नाम पर लाखों रुपए की राशि निकालने खैल मैदान निर्माण कार्य के नाम पर राशि निकालने की शिकायतें खुलकर की गई है।अब ग्राम पंचायत सदस्य प्रशासनिक अधिकारियों का सहयोग लेकर ग्राम विकास के नाम पर ख़र्च की गई राशि का ब्यौरा लेखा-जोखा मांगने सचिव और सरपंच पति की चल रही मनमानियों के खिलाफ एक जुट हो रहें हैं।

इनका कहना है

आपके द्वारा ढिलवार पंचायत की जो जानकारी दी जा रही है उसकी विधिवत जांच कराई जाएगी साथ ही इंजीनियर को भेजकर निर्माण कार्यों को भी दिखवा लेते हैं यदि कोई लापरवाही सामने आयेगी तो सचिव और सरपंच के ऊपर कार्यवाही की जायेगी रिकवरी भी करायेंगे।

संजीव गोस्वामी
मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत चांवरपाठा

ग्राम पंचायत अतरिया मूलभूत सुविधाओं से वंचित

शांतिधाम का टीन शेड उखड़ा, पेयजल स्टैंड बने शोपीस, नल की टोंटी गायब

गोटेगांव

जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत अतरिया के पंचायत भवन के बाजू में विगत वर्ष 2017-2018 में आंगनबाड़ी भवन महिला बाल विकास विभाग द्वारा स्वीकृत हुआ था जिसका निर्माण कार्य करीब 1 दो वर्ष से बंद पड़ा है। पत्रकारों के द्वारा पहले जब इस खबर को प्रकाशित किया गया था तब संबंधित ग्राम पंचायत तर्क दे रही थी कि इसकी अगली किस्त प्राप्त नहीं हुई है इसलिए निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पा रहा है,आंगनबाड़ी केंद्र में आने वाले बच्चे पंचायत भवन के एक कक्ष में बैठते हैं। वहीं इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी नया भवन बनकर तैयार नहीं हुआ यह क्या कारस्तानी है क्षेत्र में जन चर्चा का विषय बना हुआ है*नलों में पानी की जगह निकलती है हवा*पंचायत भवन के बाजू में आंगनबाड़ी के बच्चों को पानी पीने के लिए नल लगाए गए थे जो मात्र शो पीस बनकर रह गए, उनमें पानी की टोंटी लगाना ही भूल गए मात्र एक नल में पानी की टोंटी लगी है जिसमें पानी के नाम पर सिर्फ हवा निकलती है जो अब जीणशीर्ण अवस्था में है। इसके आसपास गंदगी फैली नजर आती है।*कचरा घर अनुपयोगी साबित हुआ*स्वच्छ भारत अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर नाडेप (कचरा घर) का निर्माण किया गया जिससे ग्रामवासी निकलने वाले कचरे को सड़कों पर ना फेंके । गंदगी उत्पन्न ना हो लेकिन इस ग्राम पंचायत का मामला उल्टा है नाडेप का निर्माण ऐसी जगह पर किया गया है जो ग्रामीणों की पहुंच से बाहर है कटीली झाड़ियां से घिरा रहता है जहां पर ग्रामवासी इसमें कचरा नहीं डाल पाते यह पूरी तरह से अनुपयोगी साबित हुआ।ग्राम पंचायत के द्वारा गलत जगह पर निर्माण कर दिया है जिससे शासन का पैसा व्यर्थ चला गया।

ग्राम में स्थित शांतिधाम का टीन शेड उड़ा

शासन के द्वारा ग्राम में शांतिधाम का निर्माण किया गया है उक्त निर्माण कार्य के दौरान जो टीन शेड लगा था मौजूदा समय में उक्त टीन शेड के एक साइड का हिस्सा उड़ चुका है जिससे अंतिम संस्कार के लिए आने वाले ग्राम वासियों को क्रिया कर्म के दौरान बारिश के मौसम में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।शांतिधाम में उचित साफ सफाई ना होने से बड़ी-बड़ी झाड़ियां शांतिधाम की शोभा बढ़ा रही है।वही शांतिधाम के बाजू में विद्युत विभाग का लगा पोल तिरछा हो चुका है जो कभी भी हवा के एक झोंके से धराशाई हो सकता है।ग्राम पंचायत के नागरिकों का कहना है 2,3 वर्ष से आंगनबाड़ी का निर्माणकार्य बंद पड़ा था बडी मुश्किल से काम दोबारा चालू हुआ है परंतु वही ढाक के तीन पात चलकर फिर बंद हो गया।भवन का छप्पर डाल कर इसकी छपाई भी कर दी है। लेकिन बिल्डिंग के अंदर अभी भी रंग रोगन आदि का कार्य बाकी है। ग्राम पंचायत में जहां कचरा घर की जरूरत थी वहां पर कचरा घर नहीं बनाया है और जगह-जगह कचरा के ढेर पड़े हैं जिनमें गंदगी पनप रही है।